प्रादेशिक समाचार

दिनांक– 04.08.2025 (दोपहर–1455 बजे)

****

झारखंड मुक्ति मोर्चा के संरक्षक और पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरू शिबू सोरेन का आज नई दिल्ली में निधन हो गया। वे 81 वर्ष के थे। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। राज्यसभा के सदस्य शिबू सोरेन किडनी की बीमारी से पीड़ित थे और डेढ़ महीने पहले उन्हें स्ट्रोक भी हुआ था। वे पिछले एक महीने से दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में जीवन रक्षक प्रणाली पर थे।

****

शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर आज शाम 5 बजे विशेष विमान से दिल्ली से रांची लाया जाएगा। एयरपोर्ट से उनके पार्थिव शरीर को सीधे आवास ले जाया जायेगा। कल गुरुजी के पार्थिव शरीर को विधानसभा और पार्टी कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा जायेगा। इसके बाद उनके पैतृक गांव रामगढ़ जिले के नेमरा में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

****

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर से झारखंड समेत देशभर में शोक की लहर हैं। शिबू सोरेन का अंतिम दर्शन करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सर गंगा राम अस्पताल पहुंचे। दोनों ने शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी।

****

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक बड़ी क्षति बताया है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन ने आदिवासी पहचान और झारखंड राज्य की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उनका जनकल्याण के प्रति समर्पण हमेशा याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शिबू सोरेन को जमीनी स्तर का ऐसा नेता बताया, जिन्होंने जनजातीय समुदाय, गरीब और वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया।

****

इधर, झारखंड में भी शिबू सोरेन के निधन पर शोक की लहर है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन जनजातीय अस्मिता और अधिकार के सशक्त स्वर थे ।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी अपने पिता दिशोम गुरु के निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट करते हुए लिखा – आज मैं शून्य हो गया हूं।

इस बीच राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने भी गुरुजी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। जमशेदपुर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने इसे झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।

****

दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन से उपराजधानी दुमका में शोक की लहर है। उनके निधन की सूचना मिलते ही लोग खिजुरिया स्थित उनके आवास पर पहुंचने लगे, जहां सन्नाटा पसरा हुआ है और पार्टी का झंडा आधा झुका दिया गया है। शिबू सोरेन आठ बार दुमका से सांसद रहे और एक बार विधायक भी निर्वाचित हुए थे। पूर्व सांसद सुनील सोरेन ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड ने एक शीर्ष नेता को खो दिया है।

उधर, बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर 1 सी स्थित गुरुजी के आवास पर भी सन्नाटा पसरा हुआ है।

****

राज्यसभा की कार्यवाही सांसद शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि स्वरूप दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्री हरिवंश ने कहा कि शिबू सोरेन एक वरिष्ठ और प्रतिष्ठित आदिवासी नेता थे, जिन्होंने आदिवासी समुदायों के अधिकारों और उत्थान के आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि श्री सोरेन ने जीवन भर वंचितों के अधिकारों और कल्याण के लिए काम किया।

****

इधर, झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी है । इसकी जानकारी देते हुए विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्रनाथ महतो ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का स्वर्गवास केवल झारखंड के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए क्षति है।

इस बीच, झारखंड में आज से तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की गई है। राज्य में सभी सरकारी कार्यालय आज और कल बंद रखने के भी आदेश दिये गये हैं। इस दुखद अवसर पर रांची समाहरणालय में वरीय पदाधिकारियों और कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर शिबू सोरेन के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

****